हरिद्रा
(सांस्कृतिक शोध का अन्तर्राष्ट्रीय उपक्रम)
ISSN : 2582-9092

मध्य प्रदेश पर्यटन के क्षेत्र में संभावनाए और चुनौतियां: विदेशी पर्यटकों के संदर्भ में

डॉ प्रकाश खमपरिया

सारांश

वर्तमान में पर्यटन को महत्वपूर्ण आर्थिक क्षेत्र में से एक माना जाता है, जो भारत के कई राज्यों के विकास और विकास को प्रेरित करता है। पर्यटन एक विपणन योग्य उत्पाद प्रदान करता है, जो बाहर से कच्चे माल पर निर्भर नहीं करता है। यह पेपर पर्यटन और संसाधन विकास के लिए समस्याओं और रणनीतियों का विश्लेषण करता है, जो पर्यटन के भविष्य के विकास में काफी संभावनाएं रखता है। आतिथ्य, जिस नींव पर मध्य प्रदेश पर्यटन की इमारत बनी, मध्य प्रदेश का मूल निवासी है। मध्य प्रदेश दुनिया के लगभग हर कोने में सबसे अधिक संख्या में यात्रियों को भेजता है, लेकिन सूचना राजमार्ग की कमी के कारण इसकी मेजबानी करने की ताकत का अभी तक पूरी तरह से उपयोग नहीं किया जा सका है। मध्य प्रदेश को भारत का दिल भी कहा जाता है। यह अपने यात्रियों को सुखद आश्चर्य से भरे हुए, जंगल और रेगिस्तान, पहाड़ियों और मैदानों, और झीलों, आदिवासी भीतरी इलाकों और एक मजबूत रेल के साथ विशेष रुचि वाले गंतव्य के साथ रंगीन अनुभव प्रदान करता है।सड़क, और हवाई नेटवर्क। खराब बुनियादी ढांचा, अप्रभावी विपणन और संसाधनों का अक्षम प्रबंधन यह सुनिश्चित करता है कि पर्यटक स्पष्ट रहें, तो आश्चर्य की बात नहीं है, मध्य प्रदेश देश के कुल पर्यटक यातायात में 2 से थोड़ा अधिक योगदान देता है, जबकि पड़ोसी राजस्थान का हिस्सा 4 से अधिक है। सरकार की नीतियां इससे जुड़ी समस्याओं को खत्म करने के लिए पेश की गई हैं, लेकिन फिर भी यह कागजों पर है और अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए बहुत लंबा सफर तय करना होगा ।

इस क्षेत्र में अधिकांश पर्यटन नियोजन तदर्थ प्रतीत होता है। इसलिए, भविष्य की दिशाओं को स्पष्ट रूप से चार्ट करते हुए, निश्चित कार्य योजना तैयार करने के लिए इस तरह के तदर्थ दृष्टिकोण से दूर जाना आवश्यक है।

मुख्य शब्द : पर्यटन, संसाधन विकास, उन्मूलन, आतिथ्य और बुनियादी ढांचा।

उद्देश्य

पर्यटन दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाला उद्योग है, और विश्व के पूर्वी गोलार्ध में तो और भी अधिक। लगभग 600 मिलियन पर्यटक हर साल विश्व भ्रमण पर जाते हैं, जिनमें से केवल भारत ही प्राप्त करता है यह तीसरी सबसे बड़ी विदेशी मुद्रा के रूप में खड़ा है।

पर्यटन है मनोरंजन और व्यापार के उद्देश्य से यात्रा का कार्य, और इस अधिनियम के लिए सेवाओं का प्रावधान। पर्यटक वे लोग हैं जो यात्रा करना और अपने सामान्य वातावरण से बाहर के स्थानों में रहना

ISSN : 2582-9092

अवकाश, व्यवसाय और के लिए लगातार एक वर्ष से अधिक नहीं। अन्य उद्देश्य जो पारिश्रमिक वाली गतिविधि के अभ्यास से संबंधित नहीं हैं। देखी गई जगह के भीतर से (आधिकारिक यूएनडब्ल्यूटीओ परिभाषा)।

इन दोनों स्थानों के बीच की दूरी का कोई महत्व नहीं है। कभी–कभी पर्यटन और यात्रा का परस्पर उपयोग किया जाता है। इस संदर्भ में यात्रा की परिभाषा पर्यटन के समान ही है, लेकिन इसका अर्थ अधिक उद्देश्यपूर्ण यात्रा है१

इस अध्ययन के मुख्य उद्देश्य :–

1) पर्यटन विकास में संसाधनों के कार्य का पता लगाने के लिए

2) पर्यटन के विकास से जुड़ी संभावनाओं का अध्ययन करना, उनके प्रबंधन के लिए संसाधनों और रणनीतियों पर।

मध्य प्रदेश का ढांचा

ISSN : 2582-9092

मध्य प्रदेश भारत के भौगोलिक हृदय में, अक्षांश 21.2°छ–26.87°छ के बीच और देशांतर 74°02′–82°49′स्थित है यह राज्य नर्मदा नदी, जो विंध्य के बीच पूर्व और पश्चिम में बहती है और सतपुड़ा पर्वतमाला के बीच मे है ये पर्वतमाला और नर्मदा भारत के उत्तर और दक्षिण के बीच की पारंपरिक सीमा है। मध्य प्रदेश से पाँच अन्य राज्यों की सीमाये भी जुड़ती है, पश्चिम में गुजरात द्वारा, उत्तर–पश्चिम में राजस्थान द्वारा सीमा,उत्तर प्रदेश द्वारा उत्तर–पूर्व में, छत्तीसगढ़ द्वारा पूर्व में, और महाराष्ट्र द्वारा दक्षिण में यह राज्य अपनी सीमाओं द्वारा जुड़ा हुआ है।

मध्य प्रदेश की जलवायु उपोष्णकटिबंधीय है। अधिकांश उत्तरभारत में, गर्म शुष्क गर्मी (अप्रैल–जून) होती है, इसके बाद मानसून होता है बारिश (जुलाई–सितंबर) और फिर ठंड और अपेक्षाकृत शुष्क सर्दी। औसतन वर्षा लगभग 1,370 मिमी (53.9 इंच) से भी कम होती है।

दक्षिण–पश्चिमी जिलों में सबसे भारी वर्षा, कुछ स्थानों पर 2,150 मिमी. तक वर्षा (84.6 इंच), जबकि पश्चिमी और उत्तर–पश्चिमी जिलों मे 1,000 मिमी (39.4 इंच) या उससे कम वर्षा होती है। वर्तमान विश्व पर्यटन सकल घरेलू उत्पाद में योगदान 11 है, जबकि, भारतीय पर्यटन का योगदानजीडीपी 1.8 है और अगले दशक में इसके 6 तक पहुंचने का लक्ष्य है। अतः इसे 10, अतिरिक्त 1.2 करोड़ नौकरियों तक पहुंचने के लिए फिर से लक्षित किया जा सकता है। 2 करोड़ अनिवासी भारतीयों में से अधिकांश मध्य भारतीय हैं जो पेशेवर और व्यापारियों के रूप में समृद्ध हैं और भारत की पुरातन संस्कृति को देखने के लिए आतुर भी रहते है अतः इन्हे संभावित पर्यटक बनने के लिए प्रेरित करने तथा नई योजनाए बनाने की की दिशा मे कार्य किए जाने आवश्यक है। इस क्षेत्र में निवेशकों को लुभाकर और सकल घरेलू उत्पाद के स्तर में काफी सुधार किया जा सकता है।

मध्य प्रदेश में विदेशी पर्यटकों से जुड़ी कुछ बुनियादी समस्याएं :–

मध्य प्रदेश में, एक विदेशी आगंतुक को लगभग आठ और कुछ मामलों में 25 गुना अधिक भुगतान करना पड़ता है,एक भारतीय पर्यटक की अपेक्षा हालांकि केंद्र सरकार अब योजना बना रही है। मध्य में प्रदेश पर्यटकों की आवाजाही को बढ़ावा देने के लिए इस तरह की समस्याओं के निर्धारण पर विचार किया जाना आवश्यक है।

एक विदेशी के लिए पन्ना टाइगर रिजर्व में प्रवेश शुल्क (वयस्क) 5 डालर है, जबकि यह भारतीयों के लिए सिर्फ 30 रुपये है। यदि कोई विदेशी एक कैमरा ले जाना चाहता है तो उसे और 5 डालर खर्च करना होगा, एक विदेशी को शौकिया वीडियो की शूटिंग के लिए 200 और एक फीचर फिल्म के लिए 1,000 खर्च करने होते है। इन समस्याओं के कारण हम अन्य राज्यों की अपेक्षा पर्यटकों की संख्या खो रहे हैं और ये पर्यटन विकास में एक बड़ी बाधा बन जाते हैं। इसके अलावा, राज्य में अन्य समस्याए जैसे खराब बुनियादी ढांचे, अप्रभावी संसाधनों का विपणन और अक्षम प्रबंधन आदि से पर्यटक यातायात राज्य में गिर रहा है।

ISSN : 2582-9092

इन समस्याओं के अलावा राजनीति का हस्तक्षेप, पर्यटन विकास के लिए सबसे बड़ी बाधा है, जो सभी सरकारी संगठनों में बहुत आम हैं। अनावश्यक खर्चों के पीछे धन की बर्बादी पर्यटन क्षेत्र और होटल उद्योग में निवेश को रोकती है।

यह वैश्वीकरण का समय है जहां हमें अत्यधिक प्रशिक्षण की आवश्यकता है, हमे अधिक अनुभवी, कुशल, बुद्धिमान और गतिशील पेशेवर एवं कड़ी मेहनत करने वाले लोगों की आवशकता है।

पर्यटन बढ़ाने हेतु सुझाव :–

प्राकृतिक संसाधन योजना को सुचारु रूप से चलाना मध्य प्रदेश सरकार के लिए एक चुनौतीपूर्ण कार्य है वो भी सीमित मानव संसाधन के साथ प्रबंधन रणनीतियों और योजना तकनीकों को बनाए रखने के लिए के लिए कुछ कार्य किए जाने आवश्यक है, वे इस प्रकार हैं :–

- अर्ध–सरकारी संगठन पर्यटन विकास के आवश्यक क्षेत्रों में अधिक काम करेंगे
- विदेशी मुद्रा का उपयोग इस क्षेत्र मे किया जाना आवश्यक है
- इस क्षेत्र मे अधिक उपयोगी विपदन या मार्केटिंग की आवश्यकता है
- सरकारी संगठनों मे ओर अधिक पारदर्शिता की आवश्यकता है
- वन क्षेत्रों की कटाई या अनुपयोग को रोका जाना चाहिए
- सरकार द्वारा पर्यटन विकास मई अधिक संलग्नता होनी चाहिए
- वन्य जीवों का संरक्षण आवश्यक है

अन्य राज्यों मे विदेशी पर्यटको की संख्या :–

राज्य	2012	2013	2014	2015	2016	2017
आंध्र प्रदेश	78713	67147	210310	479318	501019	78713
बिहार	73321	85673	112873	60820	38118	73321
गोवा	291709	260071	271645	314357	363230	291709
गुजरात	31748	30930	34187	37534	21179	31748
मध्यप्रदेश	1075169	107824	67319	92278	145335	1075169
उत्तर प्रदेश	848000	795000	710000	817000	1037243	848000

Source: Travel Biz. Monitor 2017

ISSN : 2582-9092

निष्कर्ष

अतः कहा जा सकता है की देश की अर्थव्यवस्था के विकास के लिए पर्यटन भी एक सीढ़ि है न सिर्फ बहुत बड़े स्तर पर बल्कि छोटे स्तर पर भी पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा दिया जाना आवश्यक है उच्च प्रबंधन एवं तकनीक इस क्षेत्र मे प्रभावी हो सकती है जो देश के लिए रोजगार के नए अवसर प्रदान करेगी पर्यटन एण्ड होटल व्यवसाय मिलकर इसस क्षेत्र मे रोजगार के अवसर पेड़ कर सकते है अतः सरकार को इसस ओर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। निजी क्षेत्रों को इस ओर निवेश के बारे मे अधिक ध्यान दिया जाना आवश्यक है एवं सरकार द्वारा निजी क्षेत्रों को अधिक सरल नियम एवं छूटे दी जानी चाहिए जिससे वे जड़ से जड़ इस ओर आकर्षित हो सकें तथा निवेश बढे।

संदर्भ

- प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन में नवाचार – पेरियार टाइगर रिजर्व, केरल से एक मामला अध्ययन, प्राङ्कतिक संसाधन प्रबंधन में नवाचार – ए केस स्टडी। सौरभ गुप्ता, आईएफएस, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी।
- अंसारी, ए.ए., और गुप्ता विशाल, (2006), पर्यटन में बदलते प्रतिमान उद्योग
- कब्टर, एर्लेट्। 1993) तीसरी दुनिया में सतत पर्यटन विकास के लिए समस्याएं। पर्यटन प्रबंधन्।
- कोहेन, जूडी; रिचर्डसन, जॉन। (1995), प्रकृति पर्यटन बनाम असंगत।
- उद्योगः प्रकृति पर्यटन के आर्थिक भविष्य को सुनिश्चित करने के लिए पारिस्थितिक पर्यावरण का मेगा–विपणन्। यात्रा और पर्यटन विपणन के जर्नल।
- Gossling, Stefan, (1999, Ecotourism% a means to protect biodiversity और पारिस्थितिकी तंत्र कार्यों. पारिस्थितिक अर्थशास्त्र।
- हेनरी, आई.पी. और जैक्सन, जी.ए.ड. (1996), प्रबंधन की स्थिरता
- प्रक्रियाओं और पर्यटन उत्पादों और संदर्भों, सतत दौरे के जर्नल
- क्लाइन डी जेफरी, (2001), पर्यटन और प्राकृतिक संसाधन प्रबंधनः।
- अनुसंधान और मुद्दों का सामान्य अवलोकन, सामान्य तकनीकी रिपोर्ट PNW&GTR–506, संयुक्त राज्य अमेरिका के कृषि विभाग (USDA)

असिस्टेन्ट प्रोफेसर
एकलव्य विश्वविद्यालय, दामोह